सांध्य दैनिक

4PM

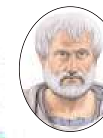

जो सभी का मित्र होता है वो किसी का मित्र नहीं होता है।
-अरस्तु

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 112 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 29 मई, 2026

फाइनल के लिए गुजरात और राजस्थान में... 7 | धीरे-धीरे रफ्तार भर रही विजय... 3 | बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर... 2

उद्घाटन की राजनीति बनाम इंजीनियरिंग की सच्चाई

हमीरपुर में आंधी से उड़ा पुल, 6 की मौत, दर्जनों घायल

» **यूपी : इस वक्त एक्सप्रेसवे, हाईवे और मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल का चेहरा बनाकर पेश किया जा रहा है**

» **विपक्ष के निशाने पर बीजेपी सरकार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीती रात से बदले मौसम का कहर वैसे तो पूरे यूपी में सुनाई दिया लेकिन सबसे करीब से इस कुदरती तूफान को झेला हमीरपुर ने जहां तेज आंधी-तूफान के कारण बेतवा नदी पर बन रहा निर्माणाधीन पुल गिर गया। हादसे में पुल के नीचे सो रहे 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों पिलर में फंसे घायलों व मलबे में दबे शवों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सभी मरने वाले व घायल बांदा और हमीरपुर के हैं। एसडीआरएफ की एक टीम मौके पर पहुंच गई है।

4PM बांदा रिपोर्टर इकबाल के मुताबिक शुक्रवार देर रात करीब 12:30 बजे आए भीषण आंधी-तूफान ने पूरे जिले में भारी तबाही मचा दी। लगभग 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाओं ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। अचानक बदले मौसम ने लोगों को दहशत में डाल दिया। तेज धूल भरी आंधी, गरज-चमक और बारिश के बीच रात में ऐसा माहौल बन गया मानो प्रलय आ गई हो। तेज हवाओं की आवाज और उड़ती चीजों से लोग सहम गए और घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। पेड़ उखड़े, बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गयी। आंधी के चलते जिले के कई इलाकों में पेड़ गिर गए बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए। कई जगहों पर टीन शेड उड़ गए और बड़े-बड़े होर्डिंग्स जमीन पर गिर पड़े। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के कई मोहल्लों में पूरी रात बिजली गुल रही। अचानक आए तूफान से लोगों ने भय और दहशत के बीच रात गुजारी। कई परिवार पूरी रात जागते रहे। सुबह तक भी हालात सामान्य नहीं हो सके थे। इस पूरी घटना के विपक्ष के निशाने पर बीजेपी सरकार आ गई है।

हर बार हादसे के बाद मौसम को दोष देकर सिस्टम फिर बच जाएगा

लेकिन सवाल यह है कि आखिर हर बार हादसे के बाद सिर्फ मौसम को दोष देकर क्या सिस्टम बच जाएगा? क्या हर बार आंधी ही पुल गिराती है या फिर पुल पहले से ही इतने कमजोर होते हैं कि पहली तेज हवा में ही उनका सच बाहर आ जाता है? यूपी इस वक्त एक्सप्रेसवे, हाईवे और मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल का चेहरा बनाकर पेश किया जा रहा है। उद्घाटन, शिलान्यास, ड्रोन शॉट्स और चमकदार विज्ञापनों के बीच विकास की तस्वीर बनाई जा रही है। लेकिन उसी तस्वीर के पीछे एक दूसरी तस्वीर भी खड़ी है जहां अधूरे पुलों से कारें गिर रही हैं निर्माणाधीन ढांचे मजदूरों पर टूट रहे हैं और पुराने पुल बिना चेतावनी दम तोड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या विकास की रफ्तार में गुणवत्ता की सांस घुट रही है? सबसे खतरनाक बात यह है कि हर हादसे के बाद स्क्रिप्ट लगभग एक जैसी होती है। पहले मौतें होती हैं। फिर जांच के आदेश। फिर कुछ इंजीनियर सस्पेंड। फिर मुआवजे की घोषणा। फिर कुछ दिनों तक राजनीतिक बयानबाजी। और फिर सन्नाटा। ऐसा सन्नाटा जिसमें अगला हादसा धीरे-धीरे तैयार होने लगता है।

प्रलय जैसा महौल

बीती रात आसमान सिर्फ बरसा नहीं बरपा था। हवाएं चीख रही थीं बिजली आसमान को चीर रही थी और बारिश धरती पर कहर बनकर टूट रही थी। लेकिन इस कुदरती तूफान के बीच जो सबसे बड़ा तूफान खड़ा हुआ वह इंसानी लापरवाही का था। क्योंकि जब बारिश थमी तब कई घरों में चीखें बची थीं मलबा बचा था और उन लोगों के शव पड़े थे जिन्हें शायद भरोसा था कि जिस पुल के नीचे वह सो रहे हैं वह पुल उन्हें कुछ नहीं होने देगा। इस हादसे के बाद हमीरपुर के लोग यह कहते सुनते लेकिन उत्तर प्रदेश में अब पुल सिर्फ रास्ते नहीं रहे वे डर का दूसरा नाम बनते जा रहे हैं। हमीरपुर में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिर गया और लोहे के भारी ढांचे और कंक्रीट के पहाड़ के नीचे मजदूर दब गए। कुछ वहीं खत्म हो गए कुछ अस्पताल पहुंचने से पहले हार गए।

कई जिलों में हो चुके हैं हादसे

बदायूं में अधूरे पुल से कार नदी में गिरी और तीन लोगों की मौत हो गई। कारण? बैरिकेडिंग नहीं थी। चेतावनी नहीं थी। जिम्मेदारी नहीं थी। महाराजगंज में निर्माणाधीन पुल की बीम गिरी और मजदूर घायल हुए। कानपुर-उन्नाव का पुराना गंगा पुल ढह गया। हर हादसा एक चेतावनी था लेकिन लगता है सिस्टम ने चेतावनी को खबर समझा, खतरा नहीं। आज एक बार फिर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यूपी में पुल सीमेंट से बन रहे हैं या सिर्फ राजनीतिक जल्दबाजी से? क्या उद्घाटन की तारीखें इंजीनियरिंग जांच से ज्यादा महत्वपूर्ण हो चुकी हैं? और आखिर कब तक हर पुल हादसे के बाद मौतों को दुर्भाग्य कहकर फाइल बंद कर दी जाएगी? क्योंकि सच यही है कि उत्तर प्रदेश में अब सिर्फ पुल नहीं गिर रहे बल्कि भरोसा गिर रहा है।

मृतकों के आश्रितों को 5-5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजा देगी सरकार

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवारों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है कि जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के लिए निर्देश दिए हैं। सीएम ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य तेज करने का प्रशासन को निर्देश दिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों से अधिकारियों की ओर से संवाद बनाकर हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।

यूपी में हादसे हो रहे नीरो बंसी बजा रहा है : काका

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल गिरने पर समाजवादी पार्टी ने तीखा हमला किया है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज काका ने इस हादसे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा और कहा कि हवा के झरोखे से पुल गिर गया और लोगों की जान चली जाती है, उन्होंने यूपी में काम के नाम पर कमीशन का आरोप लगाया। सपा प्रवक्ता मनोज काका ने हमीरपुर पुल हादसे के पीछे कमीशन खोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल सिर्फ हवा के दबाव से गिर गया 6 मजदूर भाइयों की जीन चली गयी, यूपी में विकास योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी है, इससे पहले चंदौली में 21 करोड़ के पुल का स्लैब गिर गया था। आखिर गिरते पुल की जिम्मेदारी किसकी है? गिरते पानी के टंकियों की जिम्मेदारी किसकी है योगी जी? पेपर लीक रोकने की जिम्मेदारी किसकी है योगी जी? रोम जल रहा है और नीरो

चैन की बंसी बजा रहा है। सपा नेता मनोज काका ने बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने आम लोगों से तेल की खपत कम करने की अपील पर नेताओं को भी बचत की नसीहत दी और चार्टेड प्लेन पर रोक लगाने की बात कही है, सपा प्रवक्ता ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को हम रील में सुनते हैं उन्हें स्वयं में सुधार की आवश्यकता है, संविधान का अनुच्छेद 51 पढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने स्वीकारा है तो अच्छी बात है कि बेरोजगारी बढ़ी है।

हमीरपुर के डीएम ने मौके पर किया मुआयना

हमीरपुर के डीएम अभिषेक गोयल ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया है कि 28 और 29 मई की मध्यरात्रि करीब 2 बजे सूचना मिली कि थाना लालपुर क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा की मवाईजार को जोड़ने के लिए बन रहे पुल का स्लैब गिर गया है जिसके नीचे कुछ लोग दब गए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए। मौसम को लेकर पहले ही मौसम विभाग और प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की गई थी। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद राहत बचाव कार्य जारी किया गया। जानकारी के अनुसार कुछ मजदूर बारिश से बचने के लिए नीचे रखी गई मशीन के पास खड़े थे तभी ये हादसा हो गया। हमीरपुर के एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि जैसे ही हम लोगों को सूचना मिली, स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए थे। छह लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है जिनमें से पांच लोगों की पहचान कर ली गई है। स्लैब हटाकर उन्हें निकाला जाएगा। मृतकों में बांदा और हमीरपुर जनपद के श्रमिक शामिल बताए जा रहे।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा भाजपा का करप्ट सिस्टम : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- यूथ कहे आज, नो मोर भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीबीएसई परीक्षा विवाद को लेकर भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार से प्रभावित है और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने युवाओं से नो मोर भाजपा का नारा देते हुए सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि लाखों छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि कॉपियों की दोबारा जांच की मांग के बाद भी उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही, क्योंकि पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। बुधवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि इस मामले में न तो कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार है और न ही किसी स्तर पर इस्तीफा दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा जमाने वाले लोग अब मामले के सामने आने के बाद चुप्पी साधे हुए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले लोग देश के वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य के साथ भी धोखा कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि नैतिकता की बात करने वाले लोग अब इस मुद्दे पर कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। सपा प्रमुख ने युवाओं की नाराजगी का जिक्र करते हुए कहा कि आज का युवा भाजपा को नकार रहा है।

कोई समस्या आती है तो भाजपा नेता आत्मसमर्पण कर देते हैं

यादव ने दावा किया कि लोग भाजपा के संकट प्रबंधन पर सवाल उठा रहे हैं और कहा कि जनता पूछ रही है कि जब भी कोई समस्या आती है तो भाजपा नेता आत्मसमर्पण क्यों कर देते हैं। यादव ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, जो गुजरात कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं, की राज्य में बिजली व्यवस्था संभालने में कथित विफलता से संबंधित एक समाचार रिपोर्ट भी साझा की।

जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा कि अगले चुनाव में जनता उसे अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किया कि अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। इसी पोस्ट में उन्होंने राज्य में बिजली संकट को लेकर मुख्यमंत्री को असफल बताते हुए उन पर तंज कसा। अखिलेश ने लिखा कि शुक्र है कि उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने यह नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है।

बिजली का गुजरात मॉडल यूपी में विफल

अखिलेश यादव ने यूपी के बिजली संकट पर भाजपा के गुजरात मॉडल को विफल बताते हुए कहा कि जबरन जोड़े गए तारों से चिंगारियां निकल रही हैं और जनता भाजपा नेताओं के पीछे पड़ी है। उन्होंने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री से उनके साथ एक तस्वीर साझा करने की मांग की, जिससे भाजपा की आतंरिक कलह और जनता के बढ़ते असंतोष को उजागर किया गया। यह राजनीतिक हमला आगामी चुनावों में बिजली व्यवस्था को एक प्रमुख मुद्दा बना सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि यूपी में गुजरात मॉडल का ट्रांसफार्मर फट गया है। जबरन जोड़े गए तारों से चिंगारियां निकल रही हैं। बिजली आपूर्ति न होने पर भी मीटर चल रहे हैं और जनता भाजपा नेताओं के पीछे पड़ी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा नेतृत्व पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि बड़े नेताओं के प्रशिक्षक ही विफल हो गए हैं, तो उनके शिष्यों से क्या उम्मीद की जा सकती है?

बसपा मंदिर-मस्जिद में बांटकर राजनीति करने के खिलाफ : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि जब देश में नफरत की राजनीति हो रही है, भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है ईद का यह पैगाम और भी ज़रूरी हो जाता है। यूपी की पूर्व सीएम ने ईद-उल-अज़हा की बधाई दी। उन्होंने बधाई संदेश में कहा कि कुर्बानी का यह पाक त्योहार हमें त्याग, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देता है।

उन्होंने कहा कि बसपा के चार बार के शासनकाल में हर घर में बरकत, हर दिल में अमन और हर बस्ती में खुशहाली थी। हमें एक बार फिर वैसा ही प्रदेश बनाना है। बसपा अपनी सर्वसमाज-हितैषी सरकार के लिए आज भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संविधान हमें सिखाता है कि इस देश में हर नागरिक बराबर है। चाहे उसका मज़हब कोई भी हो, जाति कोई भी हो। हम उस राजनीति के खिलाफ हैं जो मंदिर-मस्जिद में बांटकर वोट मांगती है। हम उस भारत के साथ हैं जहां ईद, दिवाली और होली, सब मिलकर मनाए जाते हैं। भारत एक रहे, मजबूत रहे।

सपा प्रमुख अखिलेश भी यादव मोह में अंधे हो चुके हैं : राजभर

» सुभासपा नेता ने अमेठी कांड पर सपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधायक महाराजी प्रजापति के आवास पर हुए बवाल ने अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने इस मामले को हथियार बनाते हुए समाजवादी पार्टी और उसके पीडीए फार्मूले पर जोरदार हमला बोला है। सोशल मीडिया पर किए गए उनके तीखे पोस्ट ने अमेठी की सियासत को और गर्मा दिया है।

राजभर ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी में गैर-यादव पिछड़ों और दलितों की भूमिका सिर्फ चुनावी भीड़ जुटाने तक सीमित कर दी गई है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि बहुजन समाज के लोगों को सपा में झंडा-झोला ढोने, दरी बिछाने और वोट देने का काम सौंपा गया है, जबकि सत्ता, सम्मान और

हिस्सेदारी का असली लाभ एक खास वर्ग तक ही सीमित रहता है। उन्होंने कहा कि अमेठी की घटना ने सपा के भीतर की सच्चाई उजागर कर दी है। एक महिला विधायक और उनके परिवार के साथ कथित मारपीट, गाली-गलौज और धमकी की घटना के बाद भी पार्टी नेतृत्व की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। राजभर ने सीधे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उनकी तुलना महाभारत के धृतराष्ट्र से कर दी। उन्होंने लिखा कि जिस तरह धृतराष्ट्र पुत्र मोह में अंधे हो गए थे, उसी तरह अखिलेश यादव भी यादव मोह में अंधे हो चुके हैं।

यही वजह है कि अपनी ही पार्टी की महिला विधायक के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार पर भी कार्रवाई नहीं हो रही है। राजभर ने सपा की पीडीए राजनीति को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी में गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को सिर्फ नारे और पोस्टर तक सीमित रखा गया है। जमीन पर उन्हें न सम्मान मिल रहा है और न सुरक्षा। पोस्ट में राजभर ने तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा कि गुंडों की कोई जाति नहीं होती, लेकिन हर गुंडा सपाई जरूर होता है। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। सोशल मीडिया पर समर्थक और विरोधी आमने-सामने आ गए हैं।

कांग्रेस की नियुक्तियों का श्रेय भाजपा ले रही : राव नरेंद्र सिंह

» हरियाणा अध्यक्ष बोले- रोजगार की नींव कांग्रेस ने रखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने 12 हजार शिक्षकों (गेस्ट टीचर) की भर्ती को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते कहा कि जिन नियुक्तियों का श्रेय भाजपा ले रही है उनकी नींव कांग्रेस सरकार के समय रखी गई थी। कांग्रेस शासनकाल में शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने और युवाओं को रोजगार देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से भर्ती नीतियां बनाई गईं थीं।

राव नरेंद्र ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बनाई गई तीन वर्ष की नीति को लेकर भाजपा सवाल उठाती थी लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी इसे सही ठहरा चुके हैं। भाजपा सरकार पुराने फैसलों को नए तरीके से पेश कर प्रचार कर रही है। यदि सरकार शिक्षा को लेकर गंभीर होती तो आज सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी नहीं होती। प्रदेश के कई स्कूलों में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषय के पद खाली पड़े हैं।

बढ़ी कीमतों को लेकर सड़कों पर उतरेगी आईएनएलडी

इंडियन नेशनल लोकदल ने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की कीमतों में हुई बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने ऐलान किया है कि यदि 31 मई 26 तक बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं ली गईं, तो 1 जून 26 को पूरे हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर सरकार के खिलाफ जोरदार और आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित इनेलो मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री और इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. संपत सिंह ने केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार को जनता की जेब काटने वाली लुटेरी सरकार करार दिया। कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी- पेट्रोल-डीजल में 7.50 रुपये प्रति लीटर, घरेलू गैस सिलेंडर में 110 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर में 993 रुपये की बढ़ोतरी को उन्होंने जनता के साथ खुली बर्बरता बताया।

सीईओ बिना चल रहा जल बोर्ड : सौरभ भारद्वाज

» दिल्ली में जल संकट पर आप का हमला

» कहा, दिल्लीवासियों को जानबूझकर पानी के लिए तरसा रही है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी में गहराते जलसंकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली जल बोर्ड में पिछले एक महीने से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद खाली होने के कारण पानी प्रबंधन प्रभावित हुआ है और भाजपा सरकार जानबूझकर दिल्लीवासियों को पानी के लिए तरसा रही है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत है। उनके अनुसार कुछ क्षेत्रों में लोगों को एक महीने और कई इलाकों में 10 से 15 दिनों तक नियमित पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे हालात गंभीर हैं। उन्होंने दावा किया कि पानी की आपूर्ति का पूरा दायित्व दिल्ली जल बोर्ड के पास है, लेकिन शीर्ष प्रशासनिक पद खाली होने के कारण नीतिगत फैसले नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर तैयारी में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गर्मियों में पानी की मांग बढ़ने की बात का सरकार को पहले से अंदाजा होना चाहिए था। इसके बावजूद जल बोर्ड में सीईओ की नियुक्ति नहीं की गई, जिससे जल संकट और गहरा गया।

धीरे-धीरे रफ्तार भर रही विजय सरकार

कुछ विवादित फैसलों पर विपक्ष ने किया प्रहार

- » राज्य के हित में निर्णय लेने से बढ़ रही लोकप्रियता
- » कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने उठाया सवाल
- » डीएमके ने भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अभी तमिलनाडु में सरकार बने महीना भर भी नहीं हुआ कि टीवीके सरकार की कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने घेरना शुरू कर दिया है। क्या भाजपा क्या डीएमके सभी ने निशाना साधना आरंभ कर दिया है। ऐसा नहीं कि उनकी आलोचना ही हो रही है कुछ लोग उनकी लोकप्रियता से घबराने लगे हैं। जैसे डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन, भाजपा नेता अन्नामलाई व आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण। वहीं सीएम विजय ने किसानों व राज्य की भलाई के लिए ताबड़तोड़ जलकल्याणकारी घोषणाएं कर अपनी ओर सबका रुख कर दिया है। हालांकि कुछ फैसलों से वह लोगों को निशाने पर आ गए हैं।

कुल मिलाकर आगे आने वाला समय उनके लिए मिलाजुला रहेगा। विपक्ष तेवर तो यही जता रहे हैं कि उनकी आगे की राह फूलों की सेज नहीं कांटों भरी हो सकती है। दरअसल लगातार सामने आ रही हत्या, दुष्कर्म और गैंग अपराध की घटनाओं ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर के पास 17 वर्षीय युवक गुबेंद्रन की निर्मम हत्या और कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के दुष्कर्म तथा हत्या मामले ने मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इन घटनाओं के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता अन्नामलाई लगातार सरकार पर हमलावर हैं और जमीनी स्तर पर सक्रिय नेतृत्व का परिचय देते हुए जनता की आवाज बुलंद कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि पिछले महीने चिन्नई उत्सव के दौरान गुबेंद्रन और स्थानीय अपराधी मुथुमणि उर्फ थोथल मुथुमणि के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस का मानना है कि उसी दुश्मनी का बदला लेने के लिए हत्या की साजिश रची गई। मुथुमणि, उसका भाई राज तथा सतीश कुमार, हरि कृष्णन और मुथुकुमार को इस वारदात का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। हालांकि घटना के कई घंटे बाद तक पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। इससे पुलिस की कार्यशैली और तत्परता पर भी सवाल उठे। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार के मंत्री और अधिकारी जनता के दुख को गंभीरता से लेने की बजाय संवेदनहीन रवैया अपना रहे हैं। बाद में कीर्तन ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी मुस्कान को जानबूझकर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है और

मुख्यमंत्री विजय की नेतृत्व क्षमता पर चर्चा

देखा जाये तो इन दोनों मामलों ने मुख्यमंत्री विजय की नेतृत्व क्षमता पर सवाल और गहरे कर दिए हैं। जनता के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि नई सरकार अभी तक प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित करने में सफल नहीं हुई है। अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और सरकार पर केवल उत्सव तथा छवि निर्माण में व्यस्त रहने के आरोप लग रहे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि विपक्ष अब सीधे मुख्यमंत्री की कार्यशैली को चुनौती देने लगा है।

तमिलनाडु में नशा तस्करों, दुष्कर्मियों और हत्यारों को खुली छूट मिल चुकी है : अन्नामलाई

भारतीय जनता पार्टी के नेता अन्नामलाई ने इन घटनाओं को लेकर सरकार पर सबसे तीखा हमला बोला है। मदुरै हत्या कांड के बाद उन्होंने घटनास्थल का वीडियो साझा करते हुए कहा कि तमिलनाडु में नशा तस्करों, दुष्कर्मियों और हत्यारों को खुली छूट मिल चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया और नई सरकार अब भी जश्न के माहौल से बाहर नहीं निकल पाई है। अन्नामलाई ने जिस आक्रामक और सक्रिय तरीके से इन मुद्दों को उठाया है, उससे वह जनता के बीच मजबूत विपक्षी नेता के रूप में उभरते दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई लगातार जमीनी मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में सफल हो रहे हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री विजय की सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। मदुरै और कोयंबटूर की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था अब सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुकी है। जनता अब केवल आश्वासन नहीं बल्कि कठोर और प्रभावी कार्रवाई चाहती है। ऐसे समय में अन्नामलाई की सक्रियता और सरकार की रक्षात्मक स्थिति तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरणों की ओर संकेत कर रही है।

मेकेदातु बांध परियोजना पर पुरानी सरकारों पर विजय का निशाना

मुख्यमंत्री विजय ने कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना पर राज्य की प्रतिक्रिया की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। तमिलनाडु लगातार इस परियोजना का विरोध कर रहा है, यह दावा करते हुए कि इससे नदी के पानी में राज्य का हिस्सा प्रभावित हो सकता है और किसानों को नुकसान हो सकता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कर्नाटक में हाल ही में परियोजना के लिए आयोजित भूमि पूजा के बाद बैठक बुलाई गई थी। चर्चा का मुख्य केंद्र तमिलनाडु के जल अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारियों ने विवाद की कानूनी स्थिति का भी जायजा लिया। बैठक में इस मामले से संबंधित तमिलनाडु की पुनर्विचार याचिका को खारिज करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पहले के फैसले पर ध्यान दिया गया। न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि परियोजना के तकनीकी पहलुओं से जुड़े प्रश्न केंद्रीय विशेषज्ञ निकायों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। गौरतलब में आगे कहा गया है कि घटनाक्रम की समीक्षा के बाद, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को न्यायालय की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत परामर्श के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। कर्नाटक ने कावेरी नदी पर मेकेदातु में एक संतुलन जलाशय के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। पड़ोसी राज्य का कहना है कि इस परियोजना का उद्देश्य पेयजल आपूर्ति में सुधार करना और बिजली उत्पादन करना है। हालांकि, तमिलनाडु, जो नदी के निचले हिस्से में स्थित राज्य है, का कहना है कि इस परियोजना से उसके क्षेत्रों में पहुंचने वाले जल प्रवाह पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मुझे विजय से जलन होती है : पवन कल्याण

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने विजय को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें सीएम विजय को देखकर जलन होती है। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें इतनी जल्दी सफलता मिल गई, जबकि मैं तो 15 साल तक सड़क पर घूमता रहा। दरअसल पवन कल्याण सोमवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने अपने 15 साल की राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए मजाकिया लहजे में कहा, मैं आजकल तमिलनाडु की राजनीति को देखता हूं। उन्होंने यह सब कितनी बेफिक्री से किया है। मुझे जलन हुई। उन्होंने कटआउट और होलोग्राम का इस्तेमाल करके खुशी-खुशी जीत हासिल कर ली। पवन कल्याण ने आगे कहा, मैं तो पंद्रह साल से सड़कों पर ही घूम रहा हूं। एक राजनीतिक पार्टी चलाना मतलब लाखों लोगों को एक साथ लाना होता है। हम तो अपने ही परिवार के सदस्यों को एक बात पर राजी नहीं कर पाते। दरअसल विजय और पवन कल्याण दोनों ही अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए थे। विजय ने 24 में अपनी पार्टी टीवीके बनाई थी और 2026 में ही उन्होंने 108 सीटें जीत कर डीएमके और एआईडीएमके के दशकों पुराना दबदबे को खत्म कर दिया। वहीं पवन कल्याण ने 14 में अपनी जनसेना पार्टी की स्थापना की थी। लेकिन 19 में आंध्र प्रदेश में जब उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा, तो सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। पवन कल्याण खुद दोनों सीटों से चुनाव हार गए। हालांकि उन्होंने बाद में अपने संगठन को और मजबूत किया और भाजपा व तेलुगु देशम पार्टी के साथ गठबंधन कर 2024 के चुनाव में सभी 21 सीटों पर जीत हासिल की। इस चुनाव में पवन कल्याण ने पिठापुरम सीट से 70 हजार से ज्यादा वोट से जीत दर्ज की थी।

एक्शन में सीएम, किसानों के लिए खोला खजाना

कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण राहत उपाय के तहत, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्य भर के किसानों के लिए सहकारी बैंक फसल ऋण माफी की घोषणा की। इस योजना के तहत, सीमांत किसानों को 50 हजार रुपये तक के फसल ऋण में पूर्ण छूट मिलेगी, जबकि बड़े किसानों को सहकारी बैंकों से लिए गए उनके बकाया ऋणों पर 50 हजार रुपये तक की राहत दी जाएगी। इस घोषणा से उन हजारों किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है जो बढ़ती खेती लागत और अनिश्चित कृषि परिस्थितियों के बीच कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। मुख्यमंत्री विजय के अनुसार, इस कदम से लगभग 14.22 लाख किसानों को फायदा होगा और इस कार्यक्रम पर 2044 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अंधविश्वास से कब दूर होगा भारतीय समाज

> "डर, संकट से तुरंत राहत पाने की इच्छा और सामाजिक दबाव के कारण तर्क और प्रमाण पीछे छूट जाते हैं। सवाल यही है आखिर कब समाज अंधविश्वास से बाहर निकलेगा। खरात से इससे जुड़े वीडियो भी सामने आए, जिनसे पता चला कि वह तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को बहलाकर उनका शोषण करता था।

कुछ वर्षों से अंधविश्वास के कारण केवल नरबलि ही नहीं, बल्कि यौन शोषण के मामले भी सामने आ रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कथित ज्योतिषी अशोक खरात पर दर्जनों महिलाओं के यौन शोषण के आरोप लगे। इस तरह के मामले में केवल अशिक्षा से जोड़कर देखना पूरी तरह सही नहीं है, क्योंकि पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास का शिकार हो जाते हैं। डर, संकट से तुरंत राहत पाने की इच्छा और सामाजिक दबाव के कारण तर्क और प्रमाण पीछे छूट जाते हैं। सवाल यही है आखिर कब समाज अंधविश्वास से बाहर निकलेगा। खरात से इससे जुड़े वीडियो भी सामने आए, जिनसे पता चला कि वह तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को बहलाकर उनका शोषण करता था। करीब 20 वर्ष पहले मर्चेंट नेवी से रिटायर होने के बाद खरात ने ज्योतिषी के रूप में काम शुरू किया। धीरे-धीरे उसने खुद को हाई-प्रोफाइल ज्योतिषी के रूप में स्थापित कर लिया। उसके ग्राहकों में नेता, बिल्डर और बड़े कारोबारी भी शामिल थे। उसने भरोसे, पहुंच और गोपनीयता के सहारे अपनी छवि बनाई और अपार संपत्ति अर्जित कर ली।

यह विडंबना ही है कि वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद देश में अंधविश्वास के सहारे ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। भविष्य बताने का दावा करने वाले लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। तथाकथित विधाओं की वैज्ञानिकता पर बहस होती रहती है, लेकिन इनके नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है। डरे हुए, अंधविश्वासी और भ्रमित लोग इनके जाल में फंस जाते हैं। अलौकिक शक्तियों का दावा करने वाले शातिर लोग अपने स्वार्थ साधते हैं और निर्दोषों का जीवन बर्बाद कर देते हैं। अंधविश्वास के कारणों को समझे बिना इसका समाधान संभव नहीं है। महाराष्ट्र का अशोक खरात भी पढ़े-लिखे परिवारों और महिलाओं को ही निशाना बनाता था। वास्तव में अंधविश्वास की जड़ में लालच,भय और तुरंत इच्छापूर्ति की चाह होती है। इस समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबों का ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में तर्क और विचार करने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बच्चों में सवाल पूछने का साहस पैदा करना जरूरी है। शिक्षकों का प्रशिक्षण भी ऐसा हो कि वे बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित कर सकें। गांवों और कस्बों में सामुदायिक शिविर आयोजित किए जाएं, जहां तथाकथित चमत्कारों का वैज्ञानिक तरीके से भंडाफोड़ किया जाए। जब लोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएंगे, तब अंधविश्वास फैलाने वाले लोगों का प्रभाव कम होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पर्यावरण पर गंभीर है प्रिंट मीडिया, टीवी नहीं

डॉ. अर्चना शर्मा

पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते तापमान, वायु प्रदूषण, जल संकट, जंगलों में आग, असमय वर्षा, हिमालयी भू-स्खलन और शहरी पर्यावरणीय अव्यवस्था जैसी समस्याओं ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। साथ ही, जंगल कटान, खनन परियोजनाएं, नदी जोड़ो योजनाएं, आदिवासी विस्थापन और जैव विविधता पर बढ़ते खतरे देशभर में व्यापक जनआंदोलनों का कारण बने हैं। पर्यावरणीय आंदोलनों की मीडिया कवरेज को लेकर गंभीर प्रश्न उठे हैं। राष्ट्रीय-क्षेत्रीय समाचार पत्र इन मुद्दों को अधिक संतुलित, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि टीआरपी-आधारित प्रतिस्पर्धा के कारण टीवी समाचार चैनल राजनीतिक बहस, चुनावी बयानबाजी, अपराध व मनोरंजनक खबरों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। चूंकि पर्यावरणीय विषय गहन शोध, फील्ड रिपोर्टिंग और दीर्घकालिक विश्लेषण की मांग करते हैं, अत: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इन्हें अपेक्षित समय-संसाधन नहीं मिले।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से जुड़ी केन-बेतवा रिवर लिंक परियोजना लगभग 44 हजार करोड़ रुपये की एक बड़ी जल संसाधन योजना है। इसका उद्देश्य केन नदी के अतिरिक्त जल को बेतवा बेसिन तक पहुंचाकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन को बढ़ावा देना है। हालांकि, परियोजना को लेकर कई गंभीर चिंताएं भी सामने आई हैं, जिनमें हजारों लोगों का विस्थापन, वन भूमि का जलमग्न होना तथा पन्ना टाइगर रिजर्व की जैव विविधता पर संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। वहीं छतरपुर और पन्ना जिलों में प्रभावित ग्रामीणों और आदिवासी समुदायों ने विरोध के विभिन्न प्रतीकात्मक तरीके अपनाए। प्रदर्शनकारियों ने संदेश देने का प्रयास किया कि विस्थापन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक अस्तित्व को समाप्त कर देगा। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों ने इस आंदोलन को मानवीय और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से विस्तारपूर्वक कवर किया।

दूसरी ओर, अधिकांश टीवी चैनलों पर यह मुद्दा सीमित समाचार पैकेजों तक सिमटता दिखाई दिया। इसी प्रकार ओडिशा के रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में प्रस्तावित वेदांता समूह की बॉक्साइट खनन परियोजना के खिलाफ स्थानीय आदिवासी समुदायों का विरोध मीडिया कवरेज में भिन्नता को दर्शाता है। जहां इस मुद्दे ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, वहीं टीवी चैनलों ने मुख्यत: सिजिमाली पहाड़ियों में

सड़क निर्माण के दौरान हुई पुलिस-आदिवासी झड़प को अधिक प्रमुखता दी। इसके विपरीत भूमि अधिकार, जल स्रोतों, वन संरक्षण और विस्थापन जैसे मूलभूत मुद्दे अपेक्षाकृत कम उभरे। छत्तीसगढ़ का हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन के विरोध में चल रहा विरोध प्रदर्शन भी पर्यावरणीय पत्रकारिता की उपेक्षा का एक बड़ा उदाहरण माना जा सकता है। यह क्षेत्र भारत के सबसे घने जंगलों में से एक है और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। स्थानीय आदिवासी समुदाय लंबे समय से खनन परियोजनाओं के खिलाफ विरोध दर्ज करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हजारों पेड़ों पर खनन परियोजनाओं का प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन इसके बावजूद राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर इस संघर्ष को लगातार कवरेज नहीं मिली। इसी प्रकार राजस्थान के शाहबाद वन क्षेत्र में पंप्ड स्टोरेज परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई के खिलाफ पर्यावरण कार्यकर्ता लगातार आवाज उठा रहे हैं। अरावली क्षेत्र और वन संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा डिजिटल मीडिया संस्थानों ने इस संघर्ष को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और आदिवासी अधिकारों के संदर्भ में प्रमुखता से प्रकाशित किया।

हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते पर्यावरणीय संकट को लेकर 'हिमालय है तो हम हैं' अभियान के तहत पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एक्टिविस्टों ने भी आवाज उठाई। इस अभियान का उद्देश्य हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को अंधाधुंध निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, जलविद्युत परियोजनाओं और अनियंत्रित पर्यटन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाना है।

बुंदेलखंड क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित 'जल सहेली' अभियान भी पर्यावरणीय जनभागीदारी का उल्लेखनीय उदाहरण है, लेकिन मुख्यधारा टीवी चैनलों पर इसकी उपस्थिति सीमित रही। मीडिया विश्लेषकों मानते हैं कि टीवी चैनलों में 'टीआरपी-चालित पत्रकारिता' के कारण पर्यावरणीय रिपोर्टिंग कमजोर हुई है। पर्यावरणीय मुद्दे प्राय: जटिल, दीर्घकालिक और शोध-आधारित रिपोर्टिंग की मांग करते हैं, जबकि टीवी मीडिया त्वरित दृश्य प्रभाव और राजनीतिक टकराव को प्राथमिकता देता है। इसके कारण पर्यावरणीय सरोकारों व विस्थापन के मुद्दे मीडिया एजेंडा में अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं।

अदालती फैसले में खेल संघों के लिए सबक

चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मामले में हाईकोर्ट ने अपने हालिया निर्णय से न केवल देश की एक खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है। इससे भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगा है।

डॉ. प्रदीप शर्मा स्नेही

एशियाई खेलों के लिए कुश्ती दल के चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मनमाने निर्णय पर उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती संघ को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि हमारे देश में मातृत्व का सम्मान किया जाता है। लेकिन भारतीय कुश्ती संघ ने तो विनेश फोगाट के मामले में अपने पुराने मानदंडों को ही बदल दिया (संभवत: व्यक्तिगत विद्वेष के चलते)। बता दें कि विनेश फोगाट ने अपनी खेल प्रतिभा से अनेक अवसरों पर भारतीयों का सिर ऊंचा किया है। हाईकोर्ट ने अपने इस ऐतिहासिक निर्णय से न केवल देश की इस महान खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है और भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगाया है।

इस निर्णय के चलते भविष्य में अन्य खेल महासंघों को भी खिलाड़ियों के प्रति अन्याय करने से रोकेगा। उल्लेखनीय है कि विनेश देश के लिए महिला कुश्ती के अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में सर्वाधिक पदक विजेता और ओलंपिक फाइनल तक पहुंचने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं। विनेश मां बनने के बाद कुश्ती में वापसी करना चाहती थी लेकिन उसे कुश्ती संघ के नियमों के नाम पर राष्ट्रमंडलीय व एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने से रोक कर दिया गया था। कई देशों में मां बनने के बाद खेलों में लौटने की इच्छुक महिला खिलाड़ियों के लिए नियमों में छूट दी गई और उन्होंने पदक जीतकर इसे सही सिद्ध किया। लेकिन विनेश की वापसी का रास्ता बंद कर दिया गया था। विनेश के साथ-साथ देश के लाखों कुश्ती प्रेमियों के लिए यह निराशा की बात थी। विनेश की अद्वितीय खेल उपलब्धियां भारतीय कुश्ती के लिए गर्व की बात है। विनेश ने साल 2013 में एशियाई चैंपियनशिप से पदक जीतने का सिलसिला शुरू किया। इसके साथ ही जुझारू खिलाड़ी विनेश 2022 की विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों तक लगातार दस वर्षों में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए सर्वाधिक पदक (10 स्वर्ण पदकों सहित कुल 22 पदक) जीतने में सफल रहीं।

महिला पहलवान विनेश विश्व चैंपियनशिप में दो पदक, एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक और राष्ट्रमंडलीय खेलों में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं। एशियाई चैंपियनशिप में एक स्वर्ण , तीन रजत और चार कांस्य पदकों के साथ आठ पदक जीतने वाली देश की एकमात्र पहलवान विनेश ने भारतीय कुश्ती का परचम विश्व स्तर पर फहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसके दमखम और कुश्ती के प्रति अद्भुत समर्पण से विश्व भर के खेल विशेषज्ञ और खेलप्रेमी कायल रहे हैं।

अपनी खेल प्रतिभा और उपलब्धियों के कारण विनेश को अर्जुन पुरस्कार (2016), पद्मश्री (2018) और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2020) व लॉरियस स्पोर्ट्स वर्ल्ड अवार्ड से नवाजा जा चुका है। 2022 और 2024 में उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वीमेन घोषित किया गया। विनेश ने तीन ओलंपिक खेलों में महिला कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व किया। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में पचास किलो भार वर्ग में वह फाइनल तक पहुंची। फाइनल मुकाबले से पूर्व जांच में कुछ अधिक वजन पाए जाने पर उसे अयोग्य ठहरा दिया गया। उस निराशा के चलते विनेश ने संन्यास की घोषणा कर दी थी। हरियाणा के विधानसभा चुनावों में विधायक चुने जाने और मातृत्व ग्रहण करने के बाद एक बार फिर विनेश ने कुश्ती की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की ठानी। वह एक बार पुन: देश के लिए पदक जीतने की लालसा लिए हुए एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में भाग लेने पहुंची थी लेकिन नियमों के नाम पर उसे भाग लेने से वंचित कर पुन: निराशा में धकेल दिया गया। विडंबना यह रही कि इस बार ओलंपिक समिति ने नहीं अपितु अपने ही देश के कुश्ती संघ ने उसके साथ न्याय नहीं किया था।

कथित तौर पर ट्रायल का अवसर न दिये जाने के लिए नियम बदले जाने सहित सारी व्यूह रचना की गयी थी। शायद विनेश द्वारा गत वर्षों में महिला पहलवानों की न्याय संगत मांगों के लिए किए गए संघर्ष की यह परिणति थी। विनेश को वापसी का मौका न देने का मनमाना निर्णय देश को एक उत्कृष्ट महिला पहलवान की सेवाओं से भी वंचित करने की दिशा में था। खेल भावना के विपरीत था। यह महिला कुश्ती का अहित करने की दिशा में एक कदम था। आखिरकार, उच्च न्यायालय ने इस मामले में देश की श्रेष्ठ महिला पहलवान को ट्रायल का अवसर प्रदान किये जाने का निर्णय देकर उसे निराशा में डूबने से बचा लिया है। ट्रायल का परिणाम जो भी हो पर करोड़ों खेल प्रेमियों के चेहरों पर खुशी का भाव है। भारतीय खेल संघों और उसके मठाधीशों को न्यायालय के निर्णय से सबक लेना चाहिए।

महिलाओं में थायरॉइड का जोखिम

अमेरिकन थायरॉइड एसोसिएशन के अनुसार, दुनियाभर में 200 मिलियन (20 करोड़) से अधिक लोग इस विकार का शिकार हैं। थायरॉइड विकार बच्चों से लेकर बुजुर्गों, महिला-पुरुष किसी को भी हो सकता है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में थायरॉइड की समस्याओं का अधिक जोखिम होता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायरॉइड विकार की आशंका 8 से 10 गुना अधिक होती है। महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन (जैसे प्रेग्नेंसी, पीरियड्स, मेनोपॉज आदि) उन्हें इस विकार के प्रति अधिक संवेदनशील बना देते हैं।

हृदय रोगों के बढ़ते मामले

हृदय रोग का खतरा भी दुनियाभर में बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रभावित करता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों महिलाएं दिल की बीमारियों के कारण जान गंवाती हैं। महिलाओं में बढ़ते हृदय रोग के मामलों के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन के असंतुलन को एक बड़ा कारण माना जाता है जिससे रक्त वाहिकाओं पर असर पड़ता है। तनाव और अवसाद की समस्या भी महिलाओं में अधिक देखी जाती है, जो हृदय रोग को बढ़ा सकती है। नियमित व्यायाम और ब्लड प्रेशर की जांच, संतुलित आहार के साथ धूम्रपान और शराब से दूरी बनाकर आप हृदय रोगों से बची रह सकती हैं।

खराब लाइफस्टाइल बनी महिलाओं की सेहत की दुश्मन

दुनियाभर में जिस तरह से क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है, इसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। स्वस्थ जीवन जीने की चाहत हर किसी की होती है, लेकिन गड़बड़ जीवनशैली, तनाव, खानपान की आदतों और हार्मोनल बदलाव कम उम्र में ही कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। महिलाएं कई गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाती हैं, कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती हैं। यही कारण है डॉक्टर कम उम्र से ही सभी महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की सलाह देते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल में लैंगिक असमानताओं को दूर करने, समग्र कल्याण को बढ़ावा देने, बीमारियों से बचाव को लेकर सावधान और जागरूक करने का कार्य सरकार करती रहती है। युवावस्था से ही इन बातों का पालन कर महिलाएं न सिर्फ इन बीमारियों से बच सकती हैं, बल्कि एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन भी जी सकती हैं।

महिलाओं में कैंसर के मामले

कुछ प्रकार के कैंसर के मामले भी महिलाओं को अधिक प्रभावित करते हैं। स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम कैंसर है। भारत में भी यह कैंसर काफी तेजी से बढ़ रहा है। इसी तरह से महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भी हाल के वर्षों में बढ़ा है। कैंसर के बढ़ते जोखिमों के लिए फैमिली हिस्ट्री, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन को जिम्मेदार माना जाता है। सर्वाइकल कैंसर के लिए एचपीवी संक्रमण को जिम्मेदार माना जाता है जिससे बचाव के लिए वैक्सीनेशन की सलाह दी जाती रही है। अंडाशय कैंसर अक्सर मौन प्रकार का होता है क्योंकि शुरुआती चरणों में लक्षण बहुत स्पष्ट नहीं होते। बार-बार पेट में सूजन या फूलाव महसूस होना, भोजन कम लगना या जल्दी भर जाने की भावना, लगातार थकावट, लगातार पेशाब का बार-बार झुरझुर कर जाना, या वजन अचानक कम होना ये सभी संकेत हो सकते हैं। महिलाओं को चाहिए कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहें।

आर्थराइटिस की समस्या

वैसे तो बीमारियां किसी को भी और किसी भी उम्र में हो सकती हैं, हालांकि 50 की उम्र के बाद महिलाओं की सेहत कई प्रकार से प्रभावित होने लग जाती है। इसके पीछे कई जैविक, हार्मोनल और जीवनशैली संबंधी कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। यही वजह है कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में हृदय रोग, डायबिटीज, आर्थराइटिस, सांस की समस्या और एनीमिया के मामले काफी ज्यादा देखे जाते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी, वजन बढ़ना और अनुचित खानपान के कारण भी आपमें गठिया का जोखिम अधिक हो सकता है। नियमित हेल्थ चेकअप, संतुलित आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

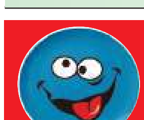

हंसना मना है

बाप-बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का - पापा अगर वो लड़की दे तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर- तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट- जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी- एक जहर की बोतल देना, दुकानदार- बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार- बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुते के सामने मत नाचना!

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

कहानी — आठवीं पीढ़ी की चिन्ता

एक सेठ को अपनी सम्पत्ति के मूल्य निर्धारण की इच्छा हुई। सेठ ने आदेश दिया- मूल्य निर्धारण अधिकतम एक सप्ताह में हो जाना चाहिए। एक सप्ताह बाद लेखाधिकारी ब्यौरा लेकर आया। सेठ जी ने पूछा- कुल कितनी सम्पदा है? मोटे तौर पर कहूं तो आपकी सात पीढ़ी बिना कुछ किए धरे आनन्द से भोग सके इतनी सम्पदा है आपकी। सेठ जी चिंता में डूब गए, तो क्या मेरी आठवी पीढ़ी भूखों मरेगी? भूख भाग चुकी थी, सेठानी जी से सेठ जी की यह हालत देखी नहीं जा रही थी। एक दिन सेठानी ने सेठ जी को साधु संत के पास सत्संग में जाने को प्रेरित कर ही लिया। एकांत में सेठ जी ने सन्त महात्मा से मिलकर अपनी समस्या का निदान जानना चाहा। महाराज जी! मेरी आठवी पीढ़ी के प्रयाप्त संपत्ति नहीं है। कृपया कोई उपाय बताएं आप जो भी बताएं मैं अनुष्ठान, विधि आदि करने को तैयार हूं। संत महात्मा जी बोले- इसका तो हल तो बड़ा आसान है। ध्यान से सुनो, सेठ! बस्ती के अन्तिम छोर पर एक बुढ़िया रहती है, एक दम कंगालए न कोई कमाने वाला है और न वह कुछ कमा पाने में समर्थ है। उसे मात्र आधा किलो आटा दान दे दो। यदि वह यह दान स्वीकार कर ले तो तुम्हारी मनोकामना पूर्ण हो जाएगी। सेठ जी घर पहुंच कर सेवक के साथ एक क्विंटल आटा लेकर पहुंच गए बुढिया की झोंपड़ी पर। माताजी! मैं आपके लिए आटा लाया हूं इसे स्वीकार कीजिए। आटा तो मेरे पास है, बेटा! मुझे नहीं चाहिए। सेठ जी ने कहा- फिर भी रख लीजिए। सेठ जी बोले- अच्छा, कोई बात नहीं, आधा किलो तो रख लीजिए। बेटा! आज खाने के लिए जरूरी, आधा किलो आटा पहले से ही मेरे पास है, मुझे अतिरिक्त की जरूरत नहीं है। लेकिन सेठ जी को तो सन्त महात्मा जी का बताया उपाय हर हाल में पूरा करना था। तो फिर इसे कल के लिए रख लीजिए। बूढ़ी मां ने कहा- बेटा! कल की चिंता मैं आज क्यों करूं, जैसे हमेशा प्रबंध होता आया है कल के लिए भी कल ही प्रबंध हो जाएगा। सेठ जी की आंखें खुल चुकी थी, एक गरीब बुढ़िया कल के भोजन की चिंता नहीं कर रही और मेरे पास अथाह धन सामग्री होते हुए भी मैं आठवीं पीढ़ी की चिन्ता में घुल रहा हूं। मेरी चिंता का कारण अभाव नहीं तृष्णा है।

7 अंतर खोजें

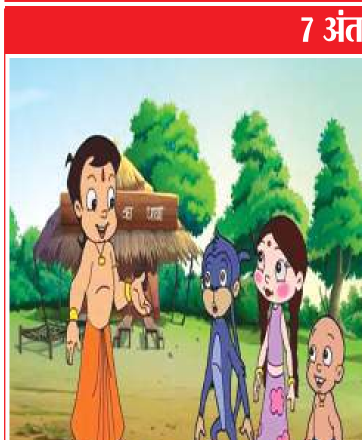

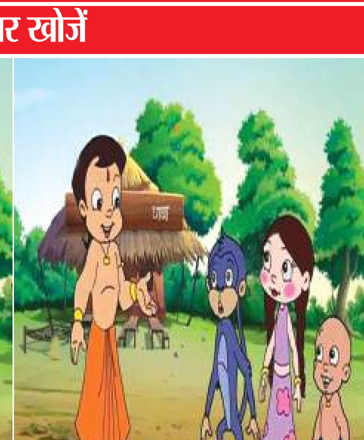

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला

व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृषभ

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक

यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मिथुन

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

धनु

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

कर्क

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कुम्भ

हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मीन

किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

आर्थिक संकट से जूझ रहे भारत को बचाने निकले मनोज बाजपेयी

'गवर्नर' फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज

द केरल स्टोरी' और 'द केरल स्टोरी 2' के मेकर्स अब एक और सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी लेकर आ रहे हैं। यह कहानी इतिहास के उन पन्नों को दिखाती, जब 1990 में भारत आर्थिक संकट से जूझ रहा था। मनोज बाजपेयी स्टारर नई फिल्म गवर्नर का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। इसमें भारत के इतिहास के एक बेहद चुनौतीपूर्ण दौर को बखूबी दिखाया गया है।

2 मिनट 54 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत 1990 के उस दौर से होती है, जब भारत आर्थिक संकट से जूझ रहा था। भारत उस दौर दिवालियापन की कगार पर पहुंच गया था। फिल्म में मनोज बाजपेयी का किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है।

ट्रेलर में देश की गिरती हुई आर्थिक स्थिति, उसके कारण आम जनता में फैला आक्रोश और सड़कों पर मचे हाहाकार को बखूबी दिखाया गया है। इस गंभीर संकट के समय देश की व्यवस्था को संभालने और भारत को आर्थिक रूप से डूबने से बचाने के लिए जो कड़े और ऐतिहासिक कदम उठाए गए थे, यह फिल्म उसी के इर्द-गिर्द घूमती है।

ट्रेलर में फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया गया है। ट्रेलर में दिखता है कि कैसे मनोज बाजपेयी का किरदार देश को आर्थिक संकट से बचाने का प्रयास करता है। इसके लिए वो देश में रखा सोना विदेश में भेजने का एक सीक्रेट प्लान भी बनाता है।

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में हैं। वह रिजर्व बैंक के गवर्नर के एक बेहद संजीदा और कड़क किरदार को निभा रहे हैं। उनके करियर में यह पहला मौका है, जब वह इस तरह की भूमिका में बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे। उनके साथ फिल्म में अभिनेत्री अदा शर्मा भी एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। ट्रेलर देखकर अदा का किरदार फिल्म में एक पत्रकार का मालूम पड़ता है। ट्रेलर में कुछ दमदार डायलॉग भी सुनने को मिलते हैं।

चिन्मय मांडलेकर द्वारा निर्देशित 'गवर्नर' की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और खुद विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर ने गीत लिखे हैं, जबकि संगीत अमित त्रिवेदी ने दिया है। 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

बॉलीवुड | कमाई

फिल्म राजा शिवाजी बनी रितेश के करियर की सबसे बड़ी हिट

रितेश देशमुख इंडस्ट्री का चमकता सितारा हैं। उन्होंने 2003 में अपने करियर की शुरुआत की। रितेश की कई फिल्मों ने 150 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। हालांकि, ज्यादातर फिल्में मल्टीस्टारर थीं। सिंगल हीरो के तौर पर 100 करोड़ या 150 करोड़ क्लब में उनकी किसी फिल्म ने 100 करोड़ क्लब में एंट्री नहीं ली थी। लेकिन अब राजा शिवाजी ने ये सपना पूरा कर दिया। राजा शिवाजी 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म बन गई है। कोईमोई के मुताबिक, फिल्म ने 24 दिन में 101.4 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया। वहीं 119.65 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। इस मराठी फिल्म ने रितेश के करियर को नई ऊंचाई दी है। बता दें कि इससे पहले 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली रितेश की पहली फिल्म हाउसफुल 2 थी। ये मल्टी स्टारर फिल्म थी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म ने 106 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके बाद ग्रैंड मस्ती ने 102 करोड़ कमाए थे। ये भी मल्टीस्टारर फिल्म थी। रितेश की एक विलेन ने 105.62 करोड़ कमाए थे। इस फिल्म में वो हीरो नहीं विलेन के रोल में थे। फिल्म हाउसफुल 3 ने 109.14 करोड़ कमाए। वहीं हाउसफुल 4 ने 194.60 करोड़ और हाउसफुल 5 ने 160.72 करोड़ कमाए। फिल्म टोटल धमाल ने 154.23 करोड़ कमाए। ये सभी फिल्में मल्टी स्टारर थीं। राजा शिवाजी से पहले रितेश देशमुख को मस्ती 4 में देखा गया था। ये फिल्म फ्लॉप हो गई थी। फिल्म ने 11.52 करोड़ ही कमाए थे। राजा शिवाजी की बात करें तो इस फिल्म में रितेश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज का रोल प्ले किया था। इस फिल्म को उन्होंने ही डायरेक्ट किया है। फिल्म में उनकी पत्नी जेनेलिया भी हैं। वहीं उनके 10 साल के बेटे राहिल ने भी फिल्म से डेब्यू किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, विद्या बालन जैसे स्टार्स थे। सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म में कैमियो रोल प्ले किया था।

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को SVC59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म जवान में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। जवान में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है।

रंग बदलने में एक्सपर्ट है यह झील दिन में पांच बार बदलती है कलर!

प्रकृति कभी-कभी ऐसे चमत्कार दिखाती है कि इंसान दंग रह जाता है। गिरगिट रंग बदलने के लिए मशहूर है, लेकिन लद्दाख की एक झील उसे भी मात दे देती है। यह है विश्व प्रसिद्ध पांगोंग त्सो झील, जिसे लोग 'रंग बदलने वाली झील' या सोशल मीडिया पर 'गिरगिट की फुफेरी बहन' कहा जा रहा है। यह झील दिन में पांच बार तक अपना रंग बदल लेती है और हर बार नया-नया नजारा पेश करती है। पांगोंग त्सो लद्दाख की सबसे ऊंचाई वाली झीलों में से एक है। समुद्र तल से करीब 4350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील भारत और चीन की सीमा पर फैली हुई है। इसकी लंबाई 134 किलोमीटर है, जिसमें से एक तिहाई हिस्सा भारत में और बाकी चीन (तिब्बत) में है। सुबह के समय जब सूरज की नरम किरणें पड़ती हैं तो झील का पानी गहरा नीला नजर आता है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है और सूर्य का कोण बदलता है, पानी टर्किश ब्लू, फिर हरा-नीला (एमरल्ड ग्रीन) हो जाता है। दोपहर में यह हल्का हरा या आसमानी रंग दिखाता है। शाम को सूर्यास्त के समय पानी गोल्डन, नारंगी और कभी-कभी लाल-गुलाबी छटा बिखेरता है। यह चमत्कार सूर्य की रोशनी, झील के स्वच्छ पानी, खनिज तत्वों और आसपास के बर्फीले पहाड़ों के रंगों के प्रतिबिंब के कारण होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार पानी में मौजूद सोडियम और अन्य खनिज भी रंग बदलने में मदद करते हैं। पांगोंग झील '3 Idiots' फिल्म की वजह से और भी प्रसिद्ध हो गई। फिल्म में आमिर खान और करीना कपूर की गानों वाली सीन यहीं शूट हुई थी। अब हर साल हजारों पर्यटक यहां आते हैं। लोग कहते हैं कि झील को देखते रहो, हर घंटे नया रंग दिखाई देगा। खासकर सूर्योदय और सूर्यास्त का समय सबसे खूबसूरत होता है। यह झील मीठे पानी की नहीं बल्कि खारे पानी की है। सर्दियों में पूरी झील जम जाती है और बर्फ की चादर बन जाती है। यहां पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं। आसपास बर्फीले पहाड़ और रेगिस्तानी इलाका एक साथ नजर आता है।

अजब-गजब | इस गांव को कहा जाता है कुंवारों का गांव

बिहार का वो गांव, जहां 50 साल से नहीं निकली बारात

बिहार विकास की बातें तो बहुत करता है लेकिन हकीकत कुछ और ही है। कैमूर जिले में स्थित बरवान कला गांव आज भी 50 साल पुरानी समस्या से जूझ रहा है। इस गांव को 'कुंवारों का गांव' कहा जाता है क्योंकि यहां पिछले पचास साल से कोई बारात नहीं निकली है। ना कोई दुल्हन आई है और ना ही शहनाइयों की आवाज गूंजी है। सैकड़ों युवा शादी की उम्र पार कर चुके हैं लेकिन अब वे बूढ़े हो गए हैं। बरवान कला गांव कैमूर पहाड़ियों में बसा है।

पटना से करीब 300 किलोमीटर दूर यह जगह इतनी दुर्गम है कि पहुंचना बेहद मुश्किल है। गांव में ना सड़क है, ना बिजली, ना स्वच्छ पेयजल और ना ही मोबाइल नेटवर्क है। जब भी कोई रिश्तेदार दुल्हन देखने आता है तो रास्ते की दिक्कत देखकर वापस लौट जाता है। लोग कहते हैं कि इतनी दूर-दराज जगह अपनी बेटी भेजने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पाता। पचास साल पहले तक गांव में शादियां होती थीं लेकिन जैसे-जैसे विकास रुका, शादियां भी बंद हो गईं। गांव की आबादी करीब 6 हजार है और 400 से ज्यादा घर हैं। यहां करीब 130 कुंवारे युवा हैं जो अब उम्रदराज हो चुके हैं। कई तो 40-50 साल के हो गए हैं। शादी की उम्मीद अब लगभग खत्म हो चुकी है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले रास्ता इतना खराब था कि बैलगाड़ी भी नहीं चल पाती थी। लोग घंटों पैदल चलकर पहाड़ चढ़ते थे। कोई बाहर से आना चाहता तो रास्ते में ही थककर वापस चला जाता था। बिजली की कमी से घरों में अंधेरा छाया रहता है। पानी के लिए महिलाएं दूर-दूर से घड़े सिर पर लेकर आती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नाममात्र की हैं। गांव के युवा बताते हैं कि वे शादी करना चाहते हैं लेकिन कोई रिश्ता नहीं आता। कई युवा मजदूरी करने बाहर चले जाते हैं लेकिन गांव लौटकर शादी नहीं कर पाते। कुछ ने बाहर शादी की लेकिन दुल्हन को गांव लाने की हिम्मत नहीं हुई। अब वे कहते हैं कि उम्र निकल गई, बच्चे-बच्चे वाले हो गए लेकिन अपनी शादी नहीं हो सकी।

प्रशासन का कहना है कि पहाड़ी इलाका होने के कारण विकास कार्य धीमे हैं। सड़क बनाने में भारी खर्च और तकनीकी दिक्कतें आती हैं। बिजली पहुंचाने के लिए भी कई प्रयास हुए लेकिन अभी तक पूरी तरह सफलता नहीं मिली है। मोबाइल नेटवर्क की कमी से युवा बाहर की दुनिया से भी कटे हुए हैं। कुछ साल पहले गांव वालों ने मिलकर एक छोटी सड़क बनाने का प्रयास किया था। कुछ साल पहले 50 साल बाद एक दुल्हन गांव आई थी। उस समय पूरे गांव में उत्सव का माहौल था। लेकिन उसके बाद फिर से शादियां रुक गईं। लोग अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार इस गांव को मुख्यधारा से जोड़ेगी।

बंगाल में टीएमसी में मचा सियासी बवाल

काकोली के बाद शांतनु ने भी छोड़ी पार्टी

» पार्टी की महिला शाखा के प्रमुख पद से काकोली ने दिया था त्यागपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में विधान चुनावों के परिणाम के बाद से ही घमासान मच गया है। सांसद काकोली घोष के पार्टी छोड़ने के बाद पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. शांतनु सेन ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की काकोली दस्तीदार घोष द्वारा अपने सभी पदों से इस्तीफा देने के एक दिन बाद सामने आया है। 24 के आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले और भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए, शांतनु सेन ने पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को संबोधित अपने इस्तीफे में कहा कि वे अब अनैतिक कृत्यों पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में समर्थन देने के लिए तैयार नहीं हैं।

इस्तीफे में यह कहा गया कई मुश्किल दौर में मैं अलग-अलग विचारों से सहमत नहीं था, फिर भी मैंने कई विवादास्पद मुद्दों पर मीडिया में पार्टी के लिए खुलकर आवाज उठाई, जिसके लिए आम जनता ने अक्सर मेरी प्रशंसा की है। लेकिन मौजूदा हालात में, जब बंगाल की जनता ने आरजी कर मामले, अभया मामले और नौकरी के बदले रिश्वतखोरी जैसे कई अनैतिक कृत्यों और भ्रष्टाचार के कारण हमें नकार दिया है, तो अब मेरा मन किसी भी तरह से प्रवक्ता के रूप में उनका समर्थन करने को तैयार नहीं है। इसलिए, जनता के फैसले को ध्यान में रखते हुए, मैं तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा देना चाहता हूं। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करें और उसका सम्मान करें। हालांकि कई मुश्किल दौर में मैं अलग-अलग विचारों से सहमत नहीं था, फिर भी मैंने कई विवादास्पद मुद्दों पर मीडिया में पार्टी के लिए खुलकर आवाज उठाई, जिसके लिए आम जनता ने अक्सर मेरी प्रशंसा की है।

टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी की महिला शाखा के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया था। अपने इस्तीफे पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी उन्हें एक साथी सांसद के दुर्व्यवहार से बचाने में विफल रही, जिसका उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से बनर्जी की ओर इशारा करते हुए जिक्र किया था। बनर्जी ने लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के मुख्य सचेतक के पद से भी उन्हें हटा दिया था। जहां एक ओर घोष दस्तीदार ने प्रमुख संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देकर पार्टी से अपनी दूरी बढ़ा ली है, वहीं दूसरी ओर उनके सहयोगी कल्याण बनर्जी के खिलाफ दायर शिकायत ने संकटग्रस्त तृणमूल कांग्रेस के भीतर आंतरिक उथल-पुथल में एक नया मोर्चा खोल दिया है।

काकोली के आरोपो पर भड़के कल्याण बनर्जी

कल्याण बनर्जी ने काकोली घोष के दुर्व्यवहार के आरोप पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनकी शिकायत में देरी और मंशा संदिग्ध लगती है। बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि संसद में किसी भी घटना की सूचना तुरंत स्पीकर को दी जानी चाहिए, जिससे घोष के इरादों पर संदेह गहरा गया है। यह घटना टीएमसी के भीतर एक बड़े राजनीतिक विवाद की ओर इशारा करती है। बता दे स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दस्तीदार ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उनका व्यवहार महिला-विरोधी सोच को दर्शाता है और यह केवल उन्हीं तक सीमित नहीं है। उन्होंने लिखा कि मैं एआईटीसी के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की अनुमति चाहती हूं, जिन्होंने लोकसभा के अंदर बार-बार मेरा मौखिक रूप से अपमान किया है।

हार के बाद भी नहीं सीखा सबक, पार्टी अब बिखर जाएगी : सुखेन्दु राय

पार्टी के वरिष्ठ नेता सुखेन्दु शेखर रॉय ने संगठन के कामकाज पर खुले तौर पर सवाल उठाते हुए आंतरिक लोकतंत्र के पतन, संस्थागत भ्रष्टाचार और राजनीतिक परामर्श फर्म आईपीएसी के अत्यधिक नियंत्रण का आरोप लगाया है। पार्टी की स्थिति पर खुलकर बोलते हुए रॉय ने कहा कि उनका मानना है कि तृणमूल कांग्रेस विघटन की ओर बढ़ रही है क्योंकि चुनावी हार के बाद उसने आत्मनिरीक्षण नहीं किया है। रॉय ने कहा कि मुझे लगता है कि पार्टी का विघटन होगा। वे अपनी हार स्वीकार नहीं कर रहे हैं। रॉय ने आरोप लगाया कि पार्टी में अब आंतरिक बहस या असहमति की अनुमति नहीं है और दावा किया कि सभी निर्णय अब एकतरफा तरीके से लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ बातें कहने की कोशिश की है, लेकिन हमारी पार्टी में चर्चा की कोई गुंजाइश नहीं है। रॉय के अनुसार, पार्टी के भीतर निर्णय लेने की संरचना अत्यधिक केंद्रीकृत हो गई है। उन्होंने कहा कि यह एकतरफा है। केवल एक ही व्यक्ति की बात मानी जाती है, जिससे यह संकेत मिलता है कि संगठन के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं प्रभावी रूप से ध्वस्त हो गई हैं। अपने पहले के सोशल मीडिया पोस्ट का बचाव करते हुए, जिनमें उन्होंने मौजूदा स्थिति को अराजकता बताया था, रॉय ने कहा कि उनकी टिप्पणियां वास्तविकता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अराजकता के बारे में ट्वीट किया क्योंकि वास्तव में अराजकता ही थी। उनकी ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि रॉय को लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ सांसदों और बुद्धिजीवी आवाजों में से एक माना जाता रहा है।

वर्तमान व्यवस्था से असंतुष्ट है देश का जेन जी : भूपेष बघेल

» छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम ने बाबा बागेश्वर व संघ पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामभद्राचार्य के बाद धीरेंद्र शास्त्री पर निशाना साधते हुए कहा कि शास्त्री राम भद्राचार्य के ही शिष्य हैं। बागेश्वर बाबा पर्ची देखकर सब बता देते हैं,उन्हें रामभद्राचार्य जी निर्देशित करें कि वे पर्ची देखकर पेट्रोल डीजल के दाम थोड़े कम करवाएं। मोहन भागवत को भी घेरते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि आरएसएस आज हिंदू धर्म का सबसे बड़ा ठेकेदार बना हुआ है। रामभद्राचार्य जी बोलते हैं कि कई संतों को संस्कृत तक नहीं आती। मैं पूछना चाहता हूं क्या मोहन भागवत ने आज तक संस्कृत का एक श्लोक भी बोला है, फिर वो ठेकेदार कैसे बन गए।

राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा में रामभद्राचार्य को नहीं बुलाया गया लेकिन भागवत मंदिर में थे। दीपक बैज के खतरे में होने से जुड़े सवाल पर बघेल ने कहा कि दीपक बिल्कुल संकट में नहीं हैं। हमारे नौजवान साथी हैं और हर कार्यकर्ता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। अभी भी धरने पर बैठे हुए हैं और उनको कांग्रेस के सभी नेताओं का समर्थन है। कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देने की बात पर बघेल ने कहा कि मैं खुद एक पार्टी का हूं, तो दूसरी पार्टी को कैसे सपोर्ट कर सकता हूं. लेकिन जिस तरह से तीन दिनों में दो करोड़ लोग उससे जुड़े हैं, इससे पता चलता है अभी जो व्यवस्था चल रही है उससे देश के युवा जेन ज़ी परेशान हैं।

अजित प्लेनक्रेश की जांच में हीला हवाली

» एनसीपी-एसपी नेता रोहित पवार ने सीबीआई पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। रोहित पवार ने अजीत पवार विमान दुर्घटना की सीबीआई जांच न होने पर पुणे सीबीआई मुख्यालय के बाहर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने ताला और जंजीर लेकर जांच एजेंसियों की निष्क्रियता पर असंतोष जताते हुए वीएसआर वेंचर्स से जुड़ी साजिश की गहन जांच की मांग की है। यह घटना केंद्रीय जांच की आवश्यकता पर बल देती है। उन्होंने भारी धातु की चेन और ताला लेकर पूर्व महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की सीबीआई जांच न होने पर असंतोष व्यक्त किया। यह विरोध प्रदर्शन दुर्घटना के चार महीने बाद हुआ, जिसमें रोहित पवार ने आरोप लगाया कि किसी भी केंद्रीय एजेंसी ने घटना की व्यापक जांच नहीं की है।

विधायक ने कहा कि यह प्रतीकात्मक प्रदर्शन जांच एजेंसियों की निष्क्रियता की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए था। उन्होंने कहा कि अगर वे जांच नहीं कर रहे हैं, तो एसी दफ्तरों में बैठे इन अधिकारियों ने क्या किया है, और वे क्या करेंगे? इसलिए, इस खर्च को पूरी तरह से रोकना ज्यादा सुविधाजनक होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि मामला सीबीआई को क्यों नहीं सौंपा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी वीएसआर वेंचर्स के प्रमुख वीके सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने में आनाकानी कर रहे हैं और उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के साथ उनके कथित संबंधों का भी जिक्र किया। मार्च में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर रोहित पवार द्वारा उठाए गए मुद्दों का हवाला देते हुए दुर्घटना की समयबद्ध, पारदर्शी और व्यापक जांच की मांग की थी।

रोहित ने की है बार-बार दुर्घटना की विस्तृत जांच की मांग

रोहित पवार ने बार-बार दुर्घटना की विस्तृत जांच की मांग की है और विमान संचालक कंपनी वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी साजिश की आशंका जताई है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि प्रभावशाली व्यक्ति कंपनी को संरक्षण दे रहे हैं। इससे पहले अप्रैल में, पवार ने पुणे में महाराष्ट्र सीआईडी अधिकारियों से मुलाकात की थी और जांच की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए दावा किया था कि जांच में कुछ भी ठोस नहीं है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को सुप्रीम राहत

» कोर्ट से पोक्सो में अग्रिम जमानत बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) एक्ट से जुड़े एक मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दी गई अग्रिम जमानत को बरकरार रखा है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की याचिका को खारिज कर दिया।

इस याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तारी से पहले (प्री-अरेस्ट) जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत कायम रहेगी।

फाइनल के लिए गुजरात और राजस्थान में भिड़ंत आज

» वैभव सूर्यवंशी होंगे गुजरात के सामने सबसे बड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। आईपीएल 2026 के इस संस्करण का दूसरा क्वालिफायर मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स आमने-सामने होंगी, जो भी टीम मुकाबला जीतेगी फाइनल में प्रवेश कर लेगी और उसका सामना 31 मई यानी रविवार को गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। राजस्थान के खिलाफ गुजरात का रिकॉर्ड शानदार रहा है। गुजरात को पहले क्वालिफायर में आरसीबी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी, जबकि राजस्थान ने एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया।

राजस्थान और गुजरात के बीच आईपीएल में अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से सात मुकाबलों में जीत गुजरात के हाथ लगी है, जबकि राजस्थान सिर्फ तीन मैच ही जीत सकी है। गुजरात टाइटंस अपने इस दमदार रिकॉर्ड को दूसरे क्वालिफायर में भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी इस सीजन में विपक्षी गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन की विस्फोटक पारी खेलकर सभी को प्रभावित किया था। वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी ने गुजरात की चिंताएं बढ़ा दी हैं। गुजरात की बल्लेबाजी काफी हद तक शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर रही है। अगर ये तीनों बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाते हैं तो टीम के लिए बड़ा स्कोर खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। साई सुदर्शन ने पूरे सीजन में निरंतर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनसे शुरुआत से ही तेजी से रन बनाने की उम्मीद करना आसान नहीं होगा। वहीं अगर राजस्थान बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रहता है तो गुजरात के शीर्ष क्रम पर दबाव बढ़ सकता है।

सूर्यवंशी ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे

मुल्लांपुर। एसआरएच केखिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंदों में 97 रनों की आतिशी पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में खुद को सभी से आगे कर लिया है। वैभव ने साई सुदर्शन की बादशाहत को खत्म कर दिया है। वैभव आईपीएल 2026 में खेले 15 मुकाबलों में 45 की औसत और 242 के स्ट्राइक रेट से 680 रन बना चुके हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज सुदर्शन 652 रनों के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हेनरिक क्लासेन इस सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 624 रनों के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हैं। वहीं, शुभमन गिल 14 मुकाबलों में 618 रन बनाकर लिस्ट में चौथे नंबर पर काबिज हैं। ईशान किशन 15 मुकाबलों में 602 रन बनाकर पांचवें स्थान पर मौजूद हैं। वहीं गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार है। भुवनेश्वर 15 मुकाबलों में 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। कगिसो रबाडा 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। आर्चर 24 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं, जबकि अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं।

सीबीएसई ओएसएम विवाद और गहराया

विपक्ष ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया, कांग्रेस नेता राहुल का सवाल- कंपनी का बैकग्राउंड क्यों नहीं किया गया चेक

» आप व शिवसेना यूबीटी ने भी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीएसई परीक्षा परिणाम और ओएसएम कॉन्ट्रैक्ट को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गहराता जा रहा है। इस मामले को लेकर सियासी टकराव भी बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सीधा हमला बोलते हुए सरकार से कई सवाल पूछे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 18.5 लाख छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया और सरकार जवाब देने से बच रही है।

वहीं आप, सपा व शिवसेना यूबीटी समेत सभी विपक्षी दलो ने भी सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान जी, आप मुझ पर जितने चाहे हमले कर लें, लेकिन इससे आपके अपराध कम नहीं होंगे। न ही इससे 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगना बंद होगा। उन्होंने पूछा कि आखिर सीबीएसई का ओएसएम कॉन्ट्रैक्ट सीओईएमपीटी कंपनी को क्यों दिया गया, जबकि यह कंपनी अपने पुराने नाम जीएलओबीएआरईएनए के तहत पहले भी विवादों में रह चुकी है। राहुल गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या कंपनी की बैकग्राउंड जांच हुई थी और अगर हुई थी तो फिर कॉन्ट्रैक्ट क्यों दिया गया।

अनियमितताएं शिक्षामंत्री के मिला भगत से

राहुल गांधी ने सीबीएसई ओएसएम मूल्यांकन में अनियमितताओं पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर मिलीभगत का आरोप लगाया है, और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों की परवाह होती तो प्रधान को बर्खास्त कर देना चाहिए था। गांधी ने विवादित कंपनी को ठेका दिए जाने पर सवाल उठाते हुए मोदी सरकार से उसके संबंधों की जांच की मांग की है, जबकि प्रधान ने खरीद प्रक्रिया को नियमों के अनुरूप बताया। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वास्तव में छात्रों की परवाह होती तो उन्हें प्रधान को बर्खास्त कर देना चाहिए था।

मेरे ऊपर हमले से आपके अपराध माफ नहीं होंगे

राहुल गांधी ने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान जी, आप मुझ पर जितना चाहें हमला कर सकते हैं, लेकिन इससे आपके अपराध माफ नहीं होंगे। और न ही यह मुझे 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगने से रोकेगा। उन्होंने आगे पूछा कि सीबीएसई ओएसएम का ठेका कोईएमपीटी को क्यों दिया गया - जो कंपनी अपने पुराने नाम ग्लोबरेना के तहत पहले से ही विवादों में घिरी हुई है? यह किसके आदेश पर किया गया? पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की गई? कोईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है?

पीएम को परवाह होती तो मंत्री को कर देते बर्खास्त

प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि जिम्मेदारी की बात करें तो, अगर प्रधानमंत्री को परवाह होती, तो लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने के लिए आपको बहुत पहले ही बर्खास्त कर देना चाहिए था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने जांच करने के बाद भी चिंताओं को नजरअंदाज किया या फिर उचित जांच-पड़ताल की ही नहीं। उन्होंने कहा कि या तो आपने पृष्ठभूमि जांच की और फिर भी आगे बढ़ गए - या फिर आपने जांच की ही नहीं। दोनों ही मामलों में आप दोषी हैं।

पीएम मोदी कर रहे तैयारियों की निगरानी

रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा की तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं और उन्हें परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित हर जानकारी दी जा रही है। गुरुवार को हुई बैठक में परीक्षा की पूरी प्रक्रिया पर ध्यान दिया गया, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र तैयार करने और प्रश्नपत्र छापने से लेकर परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था तक सभी मुद्दे शामिल थे।

विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से मिली इजाजत

शीर्ष कोर्ट बोला- एशियन गेम्स के ट्रायल में शामिल हो सकती हैं फोगाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन फ्रीस्टाइल रेसलर विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिए 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल में शामिल होने की अनुमति मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है और कुश्ती संघ की याचिका पर नोटिस जारी किया है। अब 1 जून को आगे की सुनवाई होगी. हालांकि, कोर्ट ने विनेश फोगाट की मांग पर कई सवाल भी खड़े किए हैं।

कोर्ट ने कहा कि विनेश फोगाट कोई साधारण एथलीट नहीं हैं, उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन देश पहले है। दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के सेलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी थी, लेकिन रेस्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी। शुक्रवार (29

मई, 26) को डब्ल्यूएफआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप साधारण एथलीट नहीं हैं, लेकिन हमारे सामने कुछ सवाल हैं। विनेश फोगाट की वकील ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करते हुए कहा, मैं सिर्फ ट्रायल में हिस्सा लेने की मांग कर रही हूं. साल भर पहले मां बनी एक महिला सिर्फ कोर्ट से यही मांग रही है कि उसे ट्रायल में हिस्सा लेने दिया जाए।

पुणे में जहरीली शराब से आठ लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पुणे जिले एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां जहरीली शराब पीने से 8 लोगों की मौत हो गई है। । इनमें से पांच मौतें पिंपरी-चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी इलाके में और तीन पुणे शहर के हडपसर इलाके में हुई हैं। इस घटना के बाद पुणे शहर और पिंपरी-चिंचवाड़ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुणे के एक पुलिस अधिकारीन ने बताया कि पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने योगेश वानखेड़े नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है, जिसे पहले पुणे राज्य आबकारी विभाग ने हिरासत में लिया था। आरोप है कि इसी व्यक्ति ने दोनों जगहों पर शराब की सप्लाई की थी। आगे की जांच जारी है।

कॉकरोच जनता पार्टी को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका

» दिल्ली हाईकोर्ट ने एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने शुक्रवार (29 मई) को अभिजीत दीपके की अगुवाई वाली कॉकरोच जनता पार्टी -सीजेपी के सोशल मीडिया एक्स अकाउंट को फौरन बहाल करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। दीपके की याचिका पर जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने सुनवाई की।

कोर्ट ने सीजेपी के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई कुछ चीजों को आपत्तिजनक पाया और संस्थापक दीपके की याचिका पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सभी पहलुओं पर विचार करना जरूरी है और सरकार और एक्स प्लेटफॉर्म की दलील सुनने के बाद ही कोई आदेश जारी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया। याचिका में केंद्र सरकार की ओर से पार्टी के एक्स हैंडल को बैन करने के आदेश को चुनौती दी गई है। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए ट्विटर अकाउंट को भारत में बैन कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्स हैंडल पर तत्काल बैन हटाने को लेकर कोई आदेश जारी नहीं जारी किया है।

सीबीएसई में हुआ मूल्यांकन घोटाला: मनीष सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ आप नेता और पूर्व दिल्ली शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आलोचना की है। उन्होंने ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर चल रहे विवाद को लेकर यह टिप्पणी की। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण छात्र परेशान हो रहे हैं। सिसोदिया ने एक्स पर एक पोस्ट में इसे सीबीएसई मूल्यांकन घोटाला बताया।

उन्होंने सवाल उठाया कि बच्चों का भविष्य क्यों प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित समस्याओं के कारण छात्रों की कड़ी मेहनत बर्बाद हो गई है।

अभिभावकों को अपने बच्चों की

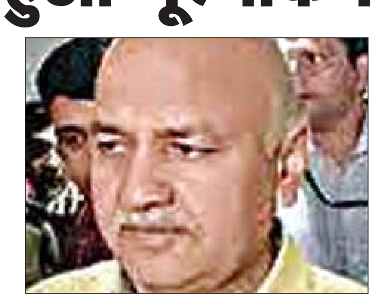

चिंताओं का जवाब देना मुश्किल हो रहा है। यह टिप्पणी सीबीएसई की नई डिजिटल मूल्यांकन पद्धति पर आई है। यह पद्धति कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुरू की गई थी। छात्रों ने इसमें विसंगतियों और मूल्यांकन त्रुटियों का दावा किया है। इस विवाद ने अभिभावकों और छात्रों दोनों को चिंतित कर दिया है।

नीट पेपर में एयरफोर्स की मदद का प्रस्ताव, प्रियंका चतुर्वेदी ने कसा तंज

नीट परीक्षा में वायुसेना की मदद लेने के मामले को लेकर शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारतीय वायु सेना अब एग्जाम के पेपर्स पहुंचाएगी। ठीक है। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तंज कसते हुए कहा कि आंसर शीट को परीक्षा केंद्रों से उठाने और उसे ओएसएम सर्वर पर अपलोड करने के लिए नेवी सबमरीन का इस्तेमाल कीजिए। जय हो सरकार। एक अन्य पोस्ट में लिखा कि

क्रोनोलॉजी समझिए, आर्मी प्रिंटिंग सेंटर से नीट एग्जाम पेपर उठाएगी। सेना की बुलेट प्रूफ गाड़ियां उन्हें नजदीकी एयरबेस तक लेकर जाएंगी। भारतीय वायुसेना इन प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों पर तक पहुंचाएगी।

अजमेर: स्कॉर्पियो में जलकर चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के बोराड़ा थाना क्षेत्र में अराई रोड पर एक स्कॉर्पियो कार में 4 लोगों के जलकर कंकाल बनने की घटना बड़ा नरसंहार निकली है।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महज कुछ ही घंटों में इस खौफनाक फैमिली मर्डर मिस्ट्री का पर्दाफाश कर दिया है, पुलिस जांच में सामने आया है कि इस वारदात को किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि मृतक पूर्व सरपंच के 17 वर्षीय नाबालिग बेटे ने अपनी मां और बहन के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने मृतक की पहली पत्नी, बेटी और नाबालिग बेटे को हिरासत में ले लिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com ।website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा